

XXX-Part.-21

रूप क्रमांक २
(देखिये नियम ७)

मध्यप्रदेश शासन



समिति का पंजीयन प्रमाणपत्र

क्रमांक ... उ.सं./.../1961

यह प्रमाणित किया जाता है कि सद्गुरु कबीर स्मारक सेवा समिति,
समिति जो ग्राम बुन्वाखेडी पोस्ट कनासिया
, तहसील तराना
जिला उज्जैन में स्थित है, मध्यप्रदेश
सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९७३ (सन् १९७३ का क्रमांक ४४)
के अधीन 3/2/97 को पंजीयित की गई है।

दिनांक तीन माह फरवरी सन् १९६७



आलोक नागर
असि रजिस्ट्रार
समितियों के रजिस्ट्रार

प्राप्त क्रमांक 1
 समितियों के पंजीयन हेतु ज्ञापन -पत्र
 § देखिये नियम - 3 -§

- §1§ समिति का नाम:- सदगुरु कबीर स्मारक सेवा समिति होगा।
- §2§ समिति का कार्यालय :- ग्राम लून्याखेडी पोस्ट कनासिया तहसील तराना जिला उज्जैन म0प्र0 में स्थित होगा

7: § समिति के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे :-

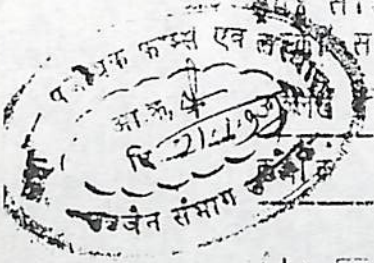
§1§ मानव मात्र में सदगुरु कबीर के सिद्धान्तों के द्वारा हर इन्सान में आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक सामाजिक शैक्षणिक उन्नति के लिये प्रयासरत रहना ।

§2§ हर पूणिमा को सत्संग भजन विचारगोष्ठी प्रवचन व्याख्यानमान का आयोजन करवाना साथ संनत के प्रवचन गुरु पूजा का आयोजन करना ताकि आत्मज्ञान व आत्मिय शान्ति मिले

§3§ साहब कबीर के भजनों के माध्यम से मानव समाज में व्याप्त दुष्प्रवृत्तियों उचरों गित्याच्छार आदि संकीर्णता से मुक्त करवाना म जैसे शरणाव मंस व नुशे से मुक्त करवाना

§4§ अंध विश्वास अति सामुदायिकता को दूर कर शिखा व लोक संगीत की वृद्धि बढाना जि ज्ञापन पत्र में अंकित है वही जिसे ।

§5§ समिति के प्रबन्ध विनियमों द्वारा समिति के कार्यों का प्रबन्ध शासक परिषद त सभा या शासी निकाय को सौंपा गया है जिनके नाम व पते तथा धन्यों को निम्नांकित है :-



नाम	पद	पता	धन्यता
§1§ प्रहलाद सिंह आत्मराम जी टीपान्या	अध्यक्ष	ग्राम लून्याखेडी पो कनासिया तहसील तराना जिला उज्जैन	नीकरी
§2§ तेजलाल सेवाराम यादव	उपाध्यक्ष	ग्राम पिपलिया काली तलाई पो0 सम्राखेडा तह. तराना जिला उज्जैन.	कृषि
§3§ अशोक कुमर आत्मराम सोनिका	कोषाध्यक्ष	गा0 लून्याखेडी पो0 कनासिया तह0 तराना जि0 उज्जैन	कृषि
§4§ जय कुमार प्रहलादसिंह टीपान्या	सचिव	-----	---
§5§ रतनलाल दे गजी नागर या सदस्य		-----	---
§6§ मांगीलाल औकारजी मालवीय		ग्राम दोन्दासिंहसिंह ताक कबा	---
§7§ शान्ति देवी प्रहलादसिंह टीपान्या		गा0 लून्याखेडी पो कनासिया थरेलु का	---

§5§ समिति के इस ज्ञापन पत्र के साथ समिति के विनियमों की एक प्रकाशित प्रति जैस म0 प्र0 सोसाईटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 §1973 का 44§ की धारा 5 की

11211

उपधारा १११ के अधीन अपेक्षित है, संलग्न है।
हम अनेक व्यक्ति जिनके नाम और पते नीचे लिखे हैं, समिति का निर्माण उपरोक्त
ज्ञापन पत्र के अनुसार करने के इच्छुक हैं तथा ज्ञापन पत्र पर निर्माणित साक्षियों
की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये हैं।

क्रमांक	निर्माणकर्तियों के नाम पते	हस्ताक्षर
१११	११२	११३
१११	प्रहलादसिंह आत्माराम जी टिपान्या लून्याखेड़ी उज्जैन म०प्र०	
११२	तेजलाल सेवारांम यादव पिपलिया काली तलाई उज्जैन	
११३	अशोक कुमार आत्मारामजी सोलंकी ग्रा. लून्याखेड़ी उज्जैन	
११४	अजय कुमार प्रहलादसिंह टिपान्या ग्रा. लून्याखेड़ी उज्जैन	
११५	रतन लाल घेनाजी नागाइया	
११६	मांगी लाल आंकाणी सालवीय ग्रा. दोन्ता जि. देवास	
११७	शांति देवी प्रहलादसिंह टिपान्या ग्रा. लून्याखेड़ी जि. उज्जैन	

जो अनावश्यक हो उसे काटिये।

साक्षी

हस्ताक्षर—
नाम—सुरेश कुमार योगी
पता—गाँव काँची पो. तराना
जिला उज्जैन म.प्र.

जी.आर.प।आर.जे-एफ.एस/620--1643483-20,000

कोषाध्यक्ष


सचिव

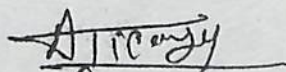
अध्यक्ष

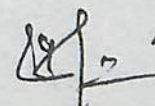
- §1§ संस्था का नाम "सद्गुरु कबीर स्मारक सेवा समीति" होगा ।
- §2§ संस्था का कार्यालय लून्याखेड़ी म. नं. कबीर नगर मोहल्ले का नाम - पोस्ट कनासिया तहसील तराना जिला उज्जैन मध्य प्रदेश ।
- §3§ संस्था का कार्यक्षेत्र मालवान्चल मध्यप्रदेश होमाख
- §4§ संस्था का उद्देश्य: -
- §1§ मानव मात्र में सद्गुरु कबीर के सिद्धांतों के द्वारा हर इन्सान में अध्यात्म, धार्मिक, सांस्कृतिक सामाजिक शैक्षणिक उन्नति के लिये प्रयासरत रहना ।
- §2§ हर पूर्णिमा को सत्संग भजन विचारगोष्ठी प्रवचन व्याख्यानमाला का आयोजन करवाना साधु सत के प्रवचन गुरु पूजा का आयोजन करना ताकि आत्मज्ञान व आत्मि शांति मिले ।
- §3§ साहब कबीर के भजनों के माध्यम से मानव समाज में व्याप्त दुष्प्रवृत्तियों दुराचरणों मित्यावहार आदि संकीर्णता से मुक्त करवाना जैसे शराब, मांस व नशे से मुक्त करवाना ।
- §4§ अंधविश्वास रुढ़ि साम्प्रदायिकता को दूर कर शिक्षा व लोक संगीत की जिज्ञासा बढ़ाना ।
- § जो ज्ञापन पत्र में अंकित है वही लिखें §

§5§ सदस्यता :- संस्था के निम्नलिखित श्रेणी के सदस्य होंगे ।

- §अ§ संरक्षण सदस्य :-- संस्था को जो व्यक्ति दान के रूप में स्वये 1200/- या अधिक एक मुहूर्त या एक साल में बारह किशतों में देगा वह समिर्कित का संरक्षक सदस्य होगा ।
- §ब§ आजीवन सदस्य :- जो व्यक्ति संस्था के दान के रूप में स्वये 1000/- या अधिक देकर वह आजीवन सदस्य बन सकेगा । कोई भी आजीवन सदस्य स्वये 200/- या अधिक देकर संरक्षक सदस्य बन सकता है ।
- §स§ साधारण सदस्य :- जो व्यक्ति स्वये 25/- प्रति माह स्वये 300/- प्रति वर्ष संस्था को चन्दे के रूप में देगा वह साधारण सदस्य होगा । साधारण सदस्य केवल उसी अवधि के लिये सदस्य होगा जिसके लिये उसने चन्दे दिए है जो साधारण सदस्य बिना सन्तोषजनक कारणों के 6 माह तक देय चन्दे नहीं देगा उसकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी । ऐसे सदस्य द्वारा संस्था के लिये नया आवेदन पत्र देने तथा बकाया चन्दे को राशि देने पर पुनः सदस्य बनया जा सकता है ।
- §द§ सम्माननीय सदस्य:-- संस्था की प्रबन्धकारणी किसी व्यक्ति वा व्यक्तियों



क. 11/21/11

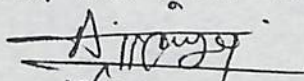

सचिव

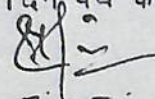
 11/21/11
अध्यक्ष

को उस समय के लिये जो भी वह उचित समझे सम्माननीय सदस्य बना सकती है ऐसे सदस्य साधारण सभा की बैठक में भाग ले सकते हैं परन्तु उनको मत देने का अधिकार न होगा।

- §6§ सदस्यता की प्राप्ति :-- प्रत्येक व्यक्ति जो कि समिति का सदस्य बनने का इच्छुक हो लिखित रूप में आवेदन करना होगा। ऐसा आवेदन पत्र प्रबन्धकारणी समिति को प्रस्तुत होगा जिसके आवेदन पत्र को स्वीकार करने या अमान्य करने का अधिकार होगा।
- §7§ सदस्यों की योग्यता :-- संस्था का सदस्य बनने के लिये किसी व्यक्ति में निम्न लिखित योग्यता होना आवश्यक है:--
- §1§ आयु 18 वर्ष से कम न हो। §2§ भारतीय नागरिक हो। §3§ समाज के नियमों के पालन की प्रतिज्ञा की हो। §4§ सदस्यरित्र हो तथा मद्यपान न करता हो।
- §8§ सदस्यता की समाप्ति:-- संस्था की सदस्यता निम्नलिखित स्थिति में समाप्त हो जावेगी :--
- §1§ मृत्यु हो जाने पर §2§ पागल हो जाने पर §3§ संस्था को देय चन्दे की रकम नियम 5 में बताये अनुसार जमा न करने पर=§4§ त्यागपत्र देने पर और वह स्वीकार होने पर §5§ चरित्रक दोष होने पर और कार्यकारिणी समिति के निर्णयानुसार निकाल दिये जाने पर जिसके निर्णय पारित होने की सूचना सदस्य को लिखित रूप में देना होगी।
- §9§ संस्था कार्यालय में सदस्य पंजी रखी जावेगी जिसमें निम्न ब्यौरे दर्ज किये जावेगे
- §1§ प्रत्येक सदस्य का नाम पता तथा व्यवसाय
- §2§ वह तारीख जिसको सदस्यों को प्रवेश दिया गया हो व रसीद नं.
- §3§ वह तारीख जिससे सदस्यता समाप्त हुई हो।
- §10§ अ. साधारण सभा:-- साधारण सभा में नियम 5 में दशयि श्रेणी के सदस्य समावेशित होंगे। साधारण सभा की बैठक आवश्यकतानुसार हुआ करेगी। परन्तु वर्ष में एक बार बैठक अनिवार्य होगी। बैठक का माह तथा बैठक का स्थान व समय कार्यकारिणी समिति निश्चित कर 15 दिवस पूर्व प्रत्येक सदस्य को दी जावेगी। बैठक का कोरम 2/3 सदस्यों का होगा। संस्था की, प्रथम आम सभा पंजीयन दिनांक से 3 माह के भीतर बुलाई जावेगी। उसमें संस्था के पदाधिकारियों का विधिवत निर्वाचन किया जावेगा यदि संबंधित आमसभा का आयोजन किसी समय नहीं किया जाता तो संस्था की अधिकार होगा कि वह संस्था की आम सभा का आयोजन किसी जिम्मेदार कर्मचारी के मार्गदर्शन में एवं पदाधिकारियों का विधिवत चुनाव कराया जावेगा।
- §ब§ प्रबन्धकारणी सभा:-- प्रबन्धकारिणी सभा बैठक प्रत्येक माह होगी तथा बैठक का एजेन्डा तथा सूचना बैठक दिनांक से सात दिन पूर्व कार्यकारिणी


कोषाध्यक्ष


सचिव

 1/3/11
अध्यक्ष

के प्रत्येक सदस्य को भजी जाना आवश्यक होगी । बैठक में कारेम 1/2 सदस्यों की होगी । यदि बैठक का कोरम पूर्ण नहीं होता है तो बैठक एक घण्टे के लिये स्थगित की जाकर उसी स्थान पर उसी दिन पुनः की जा सकेगी जिसके लिये कोरम की कोई शर्त न होगी ।

§ 10 विधेय :- यदि कम से कम कुल संख्या § कुल सदस्यों की संख्या का 2/3 सदस्यों द्वारा बलाखत रूप से बैठक बुलाने हेतु आवेदन करें तो उनके दशयि विषय पर विचार करने के लिये साधारण सभा की बैठक बुलायी जावेगी । विशेष संकल्प पारित हो जाने पर संकल्प की प्रति बैठक पंजीयक को संकल्प पारित हो जाने के दिनांक से 14 दिन के भीतर भेजा वैसे जावेगा । पंजीयक को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने तथा समिति का परामर्श देने का अधिकार होगा ।

§ 11 साधारण सभा के अधिकार व कर्तव्य:— § क संस्था के पिछले वर्ष का वार्षिक विवरण प्रगति प्रतिवेदन स्वीकृत करना । § ख संस्था की स्थाई निधि व संपत्ति की ठीक व्यवस्था करना । § ग आगामी वर्ष के लिये लेखा परीक्षकों को नियुक्ति करना । § घ अन्य ऐसे विषयों पर विचार करना जो प्रबन्धकारिणी द्वारा प्रस्तुत हो । § च संस्था द्वारा संचालित संस्थाओं के आय व्यय पत्रको को स्वीकृत करना म § छ बजट का अनुमोदन करना ।

§ 12 प्रबन्धकारिणी का गठन :— ट्रस्टीज यदि कोई हो समिति के पदेन समिति के पदेन सदस्य रहेगे । नियम 5 § अ, ब, स, § में दशयि गये सदस्यों उनके नाम पंजी रजिस्टर में दर्ज हो बैठक में बहुमत के आधार पर निम्नांकित पदाधिकारियों तथा प्रबन्धकारिणी समिति के सदस्यों का निर्वाचन होगा ।

§ 1 अध्यक्ष, § 2 उपाध्यक्ष, § 3 सचिव § 4 कोषाध्यक्ष § 5 सदस्य 3


§ 13 प्रबन्ध समिति का कार्यकाल:— प्रबन्ध समिति का कार्यकाल तीन वर्ष होगा । समिति का खेष्टा कारण होने पर उस समय तक जब तक कि नई प्रबन्धकारिणी समिति का निर्माण नियमानुसार या अन्य कारणों से नही हो सक्ता, करती रहेगी किन्तु उक्त अवधि 6 माह से अधिक नहीं होगी जिसका अनुमोदन साधारण सभा से कराना अनिवार्य होगा ।

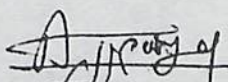
§ 14 प्रबन्धकारिणी के अधिकार व कर्तव्य:— § अ जिन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु समिति का गठन हुआ है उसकी पूर्ति करना और इस आशय की पूर्ति हेतु व्यवस्था करना ।

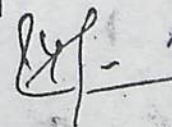
§ 5 § ब पिछले वर्ष का आय व्यय का लेख पूर्णतः परीक्षित किया हुआ प्रगति प्रतिवेदन के साथ प्रति वर्ष साधारण सभा की बैठक में प्रस्तुत करना ।

§ स समिति एवं उसके अधीन संचालित संस्थाओं के कर्मचारियों के वेतन तथा भत्ते आदि का भुगतान करना । संस्था की चल अचल सम्पत्ति पर लगने वाले कर आदि का भुगतान करना ।

§ द कर्मचारियों, शिक्षकों आदि को नियुक्ति करना ।


काया एम १७


सचिव

 11/4/11
अध्यक्ष

- २६
- ॥६॥ अन्य आवश्यक कार्य करना जो साधारण सभा द्वारा समय समय पर सौंपे जाए ।
- ॥७॥ संस्था की समस्त चल अचल संपत्ति कार्यकारिणी समिति के नाम से रहेगी
- ॥८॥ संस्था द्वारा कोई भी स्यावर संपत्ति रजिस्ट्रार की लिखित अनुज्ञा के बिना विक्रय द्वारा या अन्यथा अर्जित या आन्तरिक नहीं की जाएगी ।
- ॥९॥ विशेष बैठक आमंत्रित कर संस्था के विधान में संशोधन किये जाने के प्रस्ताव पर विचार विमर्श कर साधारण सभा की विशेष बैठक में उसकी स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करेगा । साधारण सभा में कुल सदस्यों 2/3 मत से संशोधित पारित होने पर उक्त प्रस्ताव पारित कर पंजीयक को अनुमोदन हेतु भेजा जावेगा ।
- ॥15॥ अध्यक्ष के अधिकार:— अध्यक्ष साधारण सभा तथा प्रबन्धकारिणी समिति की समस्त बैठकों की अध्यक्षता करेगा तथा मंत्री द्वारा साधारण सभा में प्रबंधकारिण की बैठकों का आयोजन करवायेगा । अध्यक्ष का मत विचारार्थ विषयों में निर्णयात्मक होगा ।
- ॥16॥ उपाध्यक्ष के अधिकार :— अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष द्वारा साधारण सभा एवं प्रबन्धकारिणी की समस्त बैठकों की अध्यक्षता करेगा । अध्यक्ष के समस्त अधिकारों का उपयोग करेगा ।
- ॥17॥ सचिव/मंत्री के अधिकार:— ॥1॥ साधारण सभा एवं प्रबंधकारिणी की बैठक समय समय पर बुलाना और समस्त आवेदन पत्र तथा सुझाव जो प्राप्त हो प्रस्तुत करना । ॥2॥ समिति का आय व्यय का लेख परीक्षण से प्रतिवेदन तैयार करके साधारण सभा के सम्मुख प्रस्तुत करना । ॥3॥ समिति के सारे कागजातों को तैयार करना तथा करवाना । उनका निरीक्षण करना व अनियमितता पाये जाने पर उसकी सूचना प्रबंधकारिणी को देना । ॥4॥ सचिव को किसी कार्य के लिये एक समय में रुपये 200/- करने का अधिकार होगा ।
- ॥18॥ कोषाध्यक्ष के अधिकार:— समिति की धनराशि का पूर्ण हिसाब तथा सचिव या कार्यकारिणी द्वारा स्वाकृत व्यय करना ।
- ॥19॥ बैंक खाता :— संस्था का समस्त निधि किसी अनुसूचित बैंक या पोस्ट ऑफिस में रहेगी । धन का आहरण अध्यक्ष या मंत्री तथा कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से होगा । दैनिक व्यय हेतु कोषाध्यक्ष के पास अधिकतम रुपये 200/- रहेंगे ।
- ॥20॥ पंजीयक को भेजी जाने वाली जानकारों :— अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत संस्था को वार्षिक आम सभा होने के दिनांक से 14 दिनों के भीतर तानधारित प्रॉस्प पर कार्यकारिणी की सूची फाइल की जायेगी । तथा धारा 28 के अन्तर्गत संस्था को परीक्षित लेखा भेजेगी ।
- ॥21॥ संशोधन:— संस्था के विधान में संशोधन साधारण सभा की बैठक में कुल सदस्यों के 2/3 मतों से पारित होगा यदि आवश्यक हुआ तो संस्था के हित में उसके पंजीकृत विधान में संशोधन करने के अधिकार पंजीयक फार्मस एवं संस्थाओं को

॥१॥ ॥१॥

आर्यभट्ट

होगा जो प्रत्येक सदस्य को मान्य होगा ।

§22§ विघटन:-- संस्था का विघटन साधारण सभा में कुल सदस्यों के 3/5 मत से पारित किया जावेगा विघटन के पश्चात संस्था की चल तथा अचल संपत्ति किसी समान्य उद्देश्यों वाली संस्था को शौप दी जावेगी । उक्त समस्त कार्य वाही अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार की जावेगी ।

§23§ सम्पत्ति:- संस्था का समस्त चल तथा अचल संपत्ति संस्था के नाम से रहेगी । संस्था की अचल संपत्ति §स्थावर§ रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थायें को लिखित अनुज्ञा के बिना विक्रय द्वारा, दान द्वारा या अन्यथा प्रकार से अर्जित या अन्तरित नहीं की जा सकेगी ।

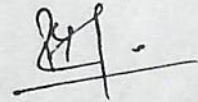
§24§ बैंक खाता :- संस्था की समस्त निधि किसी अनुसूचित बैंक या पोस्टऑफिस में खोला जावेगा एवं समय-समय धन जमा करने व निकालने की प्रक्रिया जारी रहेगी ।

§25§ पंजीयक द्वारा बैठक बुलाना:- संस्था की पंजीयक नियमावली के अनुसार पदाधिकारियों द्वारा वार्षिक बैठक न बुलाये जाने पर या अन्य प्रकार से आवश्यक होने पर पंजीयक फर्म्स एवं संस्थायें की बैठक बुलाये जाने का अधिकार होगा । साथ ही ये बैठक विचारार्थ विषय निश्चित कर सकेगा ।

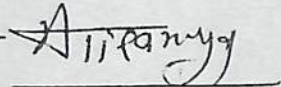
§26§ विवाद:- संस्था में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर अध्यक्ष को साधारण सभा के अनुमति से सुलझाने का अधिकार होगा । यदि इस निश्चित या निर्णय से पक्षों को सन्तोष न हो तो वे रजिस्ट्रार की ओर विवाद के निर्णय के लिये भेज सकेगें । रजिस्ट्रार का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा । संचालित सभाओं के विवाद अथवा प्रबन्ध समिति के विवाद उत्पन्न होने पर अन्तिम निर्णय लेने का अधिकार रजिस्ट्रार को होगा ।

सचिव की अनुपस्थिति में संयुक्त सचिव कार्य करेगा ।

§1§ अध्यक्ष:-



§2§ सचिव:-



§3§ कोषाध्यक्ष:-

